इंदौर | सोमवार | 12 जनवरी 2026 | वर्ष 65 | अंक 339 | पृष्ठ 12 | मूल्य रु. 5.00
navabharat.com twitter.com/Nava_Bharat fb.me/NavaBharat.Social

नव भारत

राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

इंदौर 65 वां वर्ष संस्करण

किसान समृद्धि की नई शुरुआत : किसान कल्याण वर्ष का शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजधानी भोपाल से रविवार को कृषक कल्याण वर्ष 2026 का भव्य एवं गरिमापूर्ण शुभारंभ किया। उन्होंने शुभारंभ अवसर पर किसानों की ऐतिहासिक 1101 ट्रैक्टरों की रैली का नेतृत्व किया। विशाल संख्या में ट्रैक्टरों की अनुशासित सहभागिता ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। ट्रैक्टर रैली में किसानों के उत्साह को देखकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह ट्रैक्टर रैली केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि किसानों की एकजुटता, आत्मविश्वास और प्रदेश सरकार की किसान-हितैषी सोच का सशक्त प्रतीक है। यह आयोजन इस बात का संकेत है कि राज्य सरकार कृषि को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए किसानों के हित में निरंतर और ठोस कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में भावुक एवं प्रेरक क्षण तब आया, जब मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वयं ट्रैक्टर की कमान संभाली। ट्रैक्टर चालक से आग्रह कर ट्रैक्टर पर बैठना और उसे चलाना मुख्यमंत्री की सहजता और किसानों के श्रम के प्रति सम्मान को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस सादगी और आत्मीयता ने उपस्थित जनसमुदाय को भाव-विभोर कर दिया। किसानों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ किसान बने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार की नीतियों का केंद्र किसान, नारी, युवा और गरीब हैं। इन चारों वर्गों के सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार योजनाओं और कार्यक्रमों का निर्धारण कर रही है, ताकि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे।

> मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ष 2026 को 'कृषक कल्याण वर्ष' के रूप में मनाने की घोषणा की। उनहोंने कहा कि इस दौरान किसानों के हितों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। कृषक कल्याण वर्ष के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रदेश सरकार के 16 विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करेंगे, जिससे कृषि से जुड़े सभी आयाम—उत्पादन, लागत, विपणन, आय और कल्याण एक साथ सुदृढ़ हो सकें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश की कृषि विकास दर 16 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है, जो राज्य की कृषि क्षमता और नीतिगत प्रयासों की सफलता दर्शाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य केवल उत्पादन बढ़ाना ही नहीं, बल्कि किसानों की आमदनी में वृद्धि और कृषि लागत में कमी लाने के लिए ठोस एवं व्यावहारिक उपायों को धरातल पर उतारना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि कल्याण वर्ष 2026 के संकल्प की पूर्ति का यह पहला दिन है। पूरे वर्ष विकास एवं मंगल कार्यक्रम निरंतर संचालित किए जाएंगे। सरकार का प्रयास रहेगा कि किसान समृद्ध हों, कृषि टिकाऊ बने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिले।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ष 2026 को 'कृषक कल्याण वर्ष' के रूप में मनाने की घोषणा की

प्रमुख बिन्दु

- कृषक कल्याण वर्ष का महाशुभारंभ
- सीएम की अगुवाई में किसानों की अनुशासित ट्रैक्टर रैली
- 1100 ट्रैक्टर की अनुशासित रैली के साथ कृषक कल्याण वर्ष का आग़ाज़
- किसान कल्याण का ऐतिहासिक दिन, कृषक कल्याण वर्ष का शुभारंभ
- किसान समृद्धि की नई शुरुआत : किसान कल्याण वर्ष का शुभारंभ
- अन्नदाता के सम्मान और सशक्तिकरण को समर्पित : किसान कल्याण वर्ष आरंभ
- खेत से खुशहाली तक : किसान कल्याण वर्ष का भव्य आगाज़
- किसान मजबूत, प्रदेश समृद्ध : किसान कल्याण वर्ष का शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संबोधन (कृपया स्कैन करें)

एक नजर में

- कृषक कल्याण वर्ष मनाने वाला देश का पहला राज्य बना मध्यप्रदेश
- प्रदेश में खेती का रकबा लगातार बढ़ रहा है ; देश का पहला राज्य
- किसान करेंगे सूरज की खेती ; प्रदेश होगा ऊर्जा में सरप्लस
- हर किसान के पास होगा सोलर पंप ; सिंचाई की झंझट से मिलेगी मुक्ति
- भावान्तर को लागू करने मध्यप्रदेश बना देश में अग्रणी
- प्राकृतिक खेती को मिलेगा प्रदेश में बढ़ावा
- सरकार बढ़ा रही है कस्टम हायरिंग सेंटर की संख्या ; किसानों को मिलेगी सहूलियत
- 16 मंत्रालय को किसान हित से जोड़ेंगे ; बनायेंगे किसानों को समृद्ध
- नदियों को जोड़कर प्रदेश को बनायेंगे सिंचाई में सक्षम
- दुग्ध उत्पादन में प्रदेश बनायेगा देश में नई पहचान
- भावान्तर ने किसानों को उपज का सही मूल्य दिलाया
- प्रदेश में हर क्षेत्र में फूड पार्क की होगी स्थापना
- किसान को बनायेंगे उद्योगपति
- तीस लाख किसानों को तीन साल में उपलब्ध करायेंगे सोलर पंप
- प्रदेश में आयोजित होगा सोलर सम्मेलन
- कृषि बदलाव परियोजना पर होगा फ़ोकस
- खाद वितरण में लाइन लगने की व्यवस्था को करेंगे ख़त्म
- कृषि उपज के मूल्य में होगा स्थिरीकरण

CMMadhyaPradesh
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आधिकारिक अपडेट्स के लिए सोशल मीडिया हैंडल्स को फॉलो करें

किसान कल्याण के लिए प्रदेश सरकार के संकल्प

कृषक कल्याण वर्ष का कैलेंडर हुआ जारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष 2026 के तहत सालभर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। फरवरी में कोदो-कुटकी बोनस वितरण, मार्च में प्राकृतिक खेती संगोष्ठी और मई में नर्मदापुरम् का प्रसिद्ध 'आम महोत्सव' आयोजित किया जाएगा। अगस्त-सितम्बर में इन्दौर में एफपीओ कन्वेंशन और छिंदवाड़ा में एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर निधि पर कार्यशालाएं होंगी। अक्टूबर और नवम्बर के महीने में 'फूड फेस्टिवल' और नरसिंहपुर में 'गन्ना महोत्सव' आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधा के लिए हम सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी, बिजली, शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण, फसलों पर समर्थन मूल्य और फसल बीमा की राशि का समय पर अंतरण किया जा रहा है। सरकार हर कदम पर किसानों के साथ है। किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हम कृषक कल्याण वर्ष को सफल बनाएंगे।

फसल सुरक्षा के लिए करेंगे समुचित प्रयास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कुछ फसलें जल्दी नष्ट हो जाती हैं, तो किसानों को ऐसी फसल को कम दाम में बेचकर नुकसान उठाना पड़ता है। ऐसी शीघ्रनाशी फसलों वाले स्थान चिन्हित कर इन स्थानों पर फूड पार्क और फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाकर किसानों की फसल सुरक्षा सुनिश्चित की जायेगी। इससे किसानों को उनकी उपज का भरपूर दाम मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री ने डॉ. यादव ने बताया कि किसानों की आय बढ़ाने, लागत घटाने और खेती को स्थायी करने के लिए हमारी सरकार ने 10 दिशात्मक मॉडल तैयार किये हैं। यह मॉडल हमारे लिए 10 संकल्प की तरह हैं। इसके तहत हम कृषि बदलाव की बड़ी परियोजनाओं पर हम युद्ध स्तर पर काम करेंगें। किसानों की आय वृद्धि एवं वेस्ट में कमी लाने का पूरा प्रयास करेंगे। प्राकृतिक एवं जैविक कृषि को मिशन मोड पर बढ़ावा देंगे। संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए पर 'ड्रॉप मोर क्रॉप 2.0' और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन को बढ़ावा देंगे। कृषि अपशिष्ट से ऊर्जा बनाने के लिए कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट (सीबीजी) की स्थापना की जाएगा। 'एमपी ग्लोबल एग्री ब्रांडिंग' और 'एग्री-हैकाथॉन' जैसे नवाचारों पर विशेष फोकस करेंगे। प्रदेश के कृषि उत्पादों की ब्रांडिंग की जाएगी, निर्यात पर फोकस होगा।, कृषि आधारित उद्योग और फूड प्रोसेसिंग यूनिट को बढ़ावा देंगे। रिसर्च, इनोवेशन एवं सशक्तिकरण की दिशा में काम किया जाएगा। युवाओं को खेती के लिए प्रेरित करेंगे। साथ ही आधुनिक तकनीक को खेती-किसानी का अहम हिस्सा बनाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अन्नदाता मध्यप्रदेश के माथे का तिलक हैं, जिसका तिलक खेत की मिट्टी है, वही मध्यप्रदेश का किसान है। उन्होंने कहा कि किसानों का पसीना प्रदेश की पहचान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष के शुभारम्भ के साथ हम आत्मनिर्भर और समृद्ध किसान, उन्नत कृषि और मूल्य श्रृंखला आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था के माध्यम से समृद्ध प्रदेश का निर्माण करेंगे। किसानों की आय बढ़ाने और आय को स्थाई करेंगे, खेती को लाभ का धंधा बनाएंगे। तकनीक, नवाचार और वैज्ञानिक सोच से खेती को उन्नत करेंगे। उन्होंने कहा कि इस वर्ष हम कृषि आधारित उद्योग, फूड प्रोससिंग यूनिट को बढ़ावा देंगे। प्राकृतिक एवं जैविक कृषि को मिशन मोड में बढ़ावा देंगे। अपशिष्ट से बायोगैस, एथेनॉल और हरित ऊर्जा से किसान को ऊर्जादाता बनाएंगे। पर ड्रॉप मोर क्रॉप 2.0% और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन को बढ़ावा दिया जाएगा। प्रदेश के कृषि उत्पादों के ब्रांडिंग की जाएगी, निर्यात पर विशेष फोकस होगा। रिसर्च, इनोवेशन के माध्यम से कृषक सशक्तिकरण की दिशा में काम करेंगे। युवाओं को भी खेती से जोड़ेंगे। कृषि पर्यटन से गांवों में नए रोजगार और पहचान के अवसर पैदा होंगे। कृषि के साथ डेयरी, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर्स सहित फल, सब्जी मसाला एवं औषधीय फसलों के उत्पादन को भी मजबूती से बढ़ावा देंगे।

प्रदर्शनी का शुभारंभ और कन्या पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन स्थल पर आयोजित कृषि विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। गौमाता पूजन एवं उन्हें रोटी खिलाकर सम्मेलन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदर्शनी के हर स्टॉल में जाकर मुआयना किया और संबंधितों से चर्चा भी की। प्रदर्शनी में देशी-विदेशी नस्ल के गौवंश का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में 65 प्रकार के उन्नत कृषि यंत्रों का प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित करने के साथ कन्या पूजन कर विशाल किसान सम्मेलन का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं में हितलाभ भी वितरित किये।

किसानों को लौटाएंगे उनका वैभव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में सरकार प्रदेश के किसानों के समग्र कल्याण के लिए हर जरूरी कदम उठाएगी। सालभर विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के जरिए सरकार के 16 से अधिक विभाग/मंत्रालय आपसी समन्वय से किसानों को उनका वैभव लौटाएंगे।

किसान कल्याण | कृषि उद्योगों में किसानों की बढ़ाएंगे भागीदारी

कृषक कल्याण वर्ष में किसानों का करेंगे समग्र कल्याण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के किसानों के लिए वर्ष 2026 नई उम्मीदों और नए अवसरों का वर्ष होगा। किसान हमारे अन्नदाता हैं, जो अपने परिश्रम से देश और समाज का उदर-पोषण करते हैं। किसानों को आत्मनिर्भर बनाकर उनकी समृद्धि सुनिश्चित करना ही सरकार का एकमात्र ध्येय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विशाल किसान सम्मेलन में वर्ष 2026 को 'कृषक कल्याण वर्ष' के रूप में मनाने की अधिकृत घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए हर जरूरी कदम उठाएगी। आधुनिक तकनीक, उन्नत बीज, सिंचाई, भंडारण और बाजार तक बेहतर पहुंच के माध्यम से खेती को लाभ का व्यवसाय बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कृषि केवल आजीविका का एक साधन ही नहीं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। कृषि क्षेत्र के सशक्तिकरण में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसान सम्मेलन के दौरान ई-विकास, वितरण एवं कृषि उर्वरक आपूर्ति सामधान प्रणाली (विकास पोर्टल) का शुभारंभ किया। कृषक कल्याण वर्ष 2026 में किसानों की आमदनी बढ़ाने सहित इनकी बेहतरी और खुशहाली के लिए किए जाने वाले प्रयासों के संबंध में एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। किसान सम्मेलन में सरकार की विभिन्न योजनाओं, नवाचारों और भावी कार्ययोजना की जानकारी भी किसानों को दी गई।

> **किसानों के हित में हमने जो कहा, वह करके दिखाया**
> मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों के हित में हमने जो कहा, वह करके दिखाया है। प्रदेश में श्रीअन्न उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए डिण्डोरी जिले में मध्यप्रदेश राज्य श्रीअन्न अनुसंधान केंद्र की स्थापना की जाएगी। इससे श्रीअन्न का उत्पादन और पोषण सुरक्षा को नई ऊंचाई मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्वालियर में सरसों अनुसंधान और उज्जैन में चना अनुसंधान केंद्र स्थापित किए जा रहा हैं। इन केंद्रों के जरिए इन फसलों की गुणवत्ता और पैदावार बढ़ाने पर विशेष बल दिया जाएगा।

इम्पैक्ट फीचर/D-16141/25

कृषक कल्याण वर्ष 2026 का कैलेंडर

जनवरी 2026
- जबलपुर में कृषि आधारित कौशल विकास एवं कस्टम हायरिंग राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन ■ गुलाब उद्यान भोपाल में राष्ट्र स्तरीय गुलाब महोत्सव■ राजमाता विजयराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ■ ग्वालियर कृषि मंथन।

फरवरी 2026
- डिंडोरी-उमरिया-मंडला में कोदो, कुटकी बोनस वितरण कार्यक्रम ■ मंदसौर में सोयाबीन भावांतर भुगतान समापन कार्यक्रम ■ रीवा में एग्रीटेक एवं डिजिटल कृषि प्रदर्शनी।

मार्च 2026
- रवीन्द्र भवन, कुशाभाऊ ठाकरे सभागृह भोपाल में प्राकृतिक खेती राष्ट्रीय संगोष्ठी■ ग्वालियर में क्षेत्रीय दुग्ध संघों के स्तर पर दुग्ध उत्पादकों का सम्मेलन■ इंदौर में मैत्री, गौसेवक गो प्रमाण .पत्र वितरण किया जाना एवं विभाग की प्रदर्शनी का प्रदर्शन।

अप्रैल 2026
- जबलपुर संभाग में मखाना, मशरूम, मधुमक्खी पालन पर राज्य स्तरीय कार्यशाला ■ शहडोल में प्राकृतिक ■ खेती राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन।

मई 2026
- नर्मदापुरम संभाग में राष्ट्र स्तरीय आम महोत्सव■ सिवनी में धान महोत्सव .राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन ■ सागर में राज्य स्तरीय सहकारिता सम्मेलन।

जून 2026
- उज्जैन में राज्य स्तरीय कृषि उपज निर्यात प्रोत्साहन कार्यशाला ■ शाजापुर में सोया महोत्सव एवं प्राकृतिक खेती का प्रचार-प्रसार राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन.

जुलाई 2026
- खरगौन में कपास एवं मिर्च महोत्सव, राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन
- जबलपुर में इनलेंड फिशरिज और एक्वाकल्चर कार्यक्रम।

अगस्त 2026
- भोपाल में एमपीसीडीएफ में तैयार हो रही राज्य स्तरीय केन्द्रीय गुणवत्ता प्रयोगशाला का लोकार्पण ■ भोपाल में भोपाल दुग्ध संबंध में तैयार हो रही दुग्ध उत्पाद निर्माण डेयरी का लोकार्पण ■ इंदौर में कृषक उत्पादक संगठनों का सम्मेलन।

सितम्बर 2026
- छिंदवाड़ा में कृषि अधोसंरचना निधि योजना अंतर्गत लाभान्वित हितग्राहियों की राज्य स्तरीय कार्यशाला ■ उज्जैन में राज्य स्तरीय उत्कृष्ट कार्य करने वाले मैदानी कार्यकर्ता तथा पशुपालकों को पुरस्कृत किया जाना एवं विभागीय योजनाओं के हितग्राहियों को लाभान्वित करना।

अक्टूबर 2026
- भोपाल में फसल अवशेष प्रबंधन ; कार्यशालाएं प्रत्येक संभाग में फूड फेस्टिवल ■ जबलपुर में एक्वाकल्चर मार्केटिंग सिम्पमोजियम।

नवम्बर 2026
- नरसिंहपुर में गन्ना महोत्सव . राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन■ इंदौर संभाग में राज्य स्तरीय उच्च मूल्य वाली उद्यानिकी फसल महोत्सव।